* युवा (यंग) बंगाल आन्दोलन *

युवा बंगाल आन्दोलन कट्टरपंथी बंगाली स्वतन्त्र विचारकों का एक समूह था हिन्दू कॉलेज के तेजतर्रार अध्यापक हेनरी लुइस डिरोजियो के नाम पर जो डेरोजियन के नाम से जाने जाते थे वे युवा बंगाली हिन्दू समाज के स्वतंत्र विचारों की भावना व मौजूदा सामाजिक और धार्मिक संरचना के खिलाफ विद्रोह से प्रभावित व उत्साहित थे। 19 वीं सदी के प्रारम्भ में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति के से ग्रस्त (आक्रान्त) थी। उस समय शिक्षित भारतीय अंग्रेजी भाषा, पोशाक साहित्य व पाश्चात्य ज्ञान विज्ञान को श्रेष्ठ मानते थे। जिसके परिणाम स्वरुप भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति पर प्रश्नचिन्ह लग गया था। 1813 ई० के पश्चात, ईसाई पादरियों का भारत में बड़े पैमाने पर आगमन हुआ। इन ईसाई धर्म प्रचारकों ने सामाजिक कुरीतियों को अपनाकर हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही धर्मों पर प्रहार करना प्रारम्भ किया जिसके परिणामस्वरूप असंख्य हिन्दुओं ने ईसाई धर्म स्वीकार किया। धर्मांतरण के इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए अनेक हिन्दू व मुसलमान अग्रसर हुए,

इनके प्रयासों से अनेक धार्मिक एवं सामाजिक आंदोलन हुए। बंगाल के युवा वर्ग में 19वीं शताब्दी में नवीन वर्ग का अभ्युदय हुआ, इसी उग्रवादी प्रवृति ने यंग बंगाल आन्दोलन का मार्ग प्रशस्त किया। इसका नेतत्व एक एंग्लो इंडियन हेनरी विलियन डिरोजियो ने किया। ये पेशे से अध्यापक थे, उस समय डेरोजियन ब्रह्म समाज के आन्दोलन से आकर्षित थे। यंग बंगाल आन्दोलन मूलतः देशी एवं बौद्धिक आन्दोलन था इसका प्रमुख केन्द्र कॉलेज था यंग बंगाल आन्दोलन में ईसाई शामिल थे। जैसे एलेक्जेंडर डफ जिन्होंने जनरल एसेंबली संस्था का निर्माण किया। उनके विद्यार्थी लाल बिहारी डे, ब्रजेन्द्रनाथ सील शामिल हुए, जो बाद में प्रमुख धर्मशास्त्री व ब्रह्म समाज के विचारक बन चले गए।

देवबन्दी आन्दोलन का नाम उत्तर-प्रदेश के शहर (देवबन्द) के नाम पर पड़ा। 1886 में दिल्ली के उत्तर के सहारनपुर शहर में प्रमुख विद्वान द्वारा एक इस्लामी सेमीनार देवबन्द स्थापित किया गया। इस संस्था के संस्थापक मुहम्मद कासिम थे।

एक मुसलमान उल्मा (धर्मगुरु) जो प्राचीन विद्या के अग्रणी थे जिन्होंने देवबन्द आंदोलन चलाया इसके दो प्रमुख उद्देश्य थे।

(I) मुसलमानों में कुरान तथा हदीसा की शुद्ध शिक्षा का प्रसार करना।

(II) विदेशी शासकों के विरुद्ध जिहाद की भावना को बनाए रखना।

देवबन्द आंदोलन ने सन् 1885 में स्थापित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्वागत किया। ईस्ट इंडिया कम्पनी के विद्रोह और उपनिवेशवाद के प्रतिरोध के लिए एवं अंग्रेजों द्वारा का विरोध एवं इस्लाम के संरक्षण हेतु उलेमा देवबन्द पर एकत्र हुए एवं एक सुरक्षित ठिकाना बनाया।

SEPTEMBER
M T W T F S S M T W T F S S
1 2 3 4 5 6 7 8
9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22
23 24 25 26 27 28 29 30